बुनियादी शिक्षा स्तर पर राजनीति विज्ञान शिक्षण में तकनीकी नवाचार

रितेश मिश्रा, शोधार्थी, राजनीति विज्ञान विभाग, सिंघानिया यूनिवर्सिटी

सारांश (Abstract)

भारत में बुनियादी शिक्षा स्तर पर राजनीति विज्ञान शिक्षण को अधिक प्रभावी, रोचक एवं समझने योग्य बनाने में तकनीकी नवाचारों की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। वर्तमान डिजिटल युग में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT), ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म, मल्टीमीडिया सामग्री, स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल प्रस्तुतियाँ तथा ऑनलाइन शैक्षिक संसाधनों ने पारंपरिक शिक्षण पद्धतियों को अधिक आधुनिक एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाया है।

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य बुनियादी शिक्षा स्तर पर राजनीति विज्ञान शिक्षण में तकनीकी नवाचारों की भूमिका और प्रभाव का विश्लेषण करना है। अध्ययन में यह पाया गया कि डिजिटल उपकरणों के उपयोग से विद्यार्थियों को लोकतंत्र, संविधान, शासन व्यवस्था, राजनीतिक संस्थाएँ तथा नागरिक अधिकार जैसे जटिल विषयों को सरल एवं दृश्यात्मक रूप में समझने में सहायता मिलती है। इससे विद्यार्थियों की अवधारणात्मक स्पष्टता, रुचि एवं सीखने की सक्रियता में वृद्धि होती है।

अध्ययन से यह भी स्पष्ट होता है कि तकनीकी नवाचारों के उपयोग से विद्यार्थियों की सहभागिता, आलोचनात्मक चिंतन क्षमता तथा नागरिक जागरूकता में सुधार होता है। साथ ही, यह स्व-अधिगम (self-learning) को प्रोत्साहित करता है और शिक्षण प्रक्रिया को अधिक लचीला एवं प्रभावी बनाता है। हालांकि, डिजिटल अवसंरचना की कमी, इंटरनेट की सीमित उपलब्धता तथा शिक्षकों के तकनीकी प्रशिक्षण की आवश्यकता जैसी चुनौतियाँ अभी भी विद्यमान हैं।

निष्कर्षतः, बुनियादी शिक्षा स्तर पर राजनीति विज्ञान शिक्षण में तकनीकी नवाचार शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कुंजी शब्द (Keywords): राजनीति विज्ञान शिक्षण, तकनीकी नवाचार, ICT, डिजिटल शिक्षा, ई-लर्निंग, स्मार्ट क्लास, बुनियादी शिक्षा, भारत, मल्टीमीडिया, शैक्षिक प्रौद्योगिकी